नवभारत
संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

'डिजिटल अरेस्ट' ठगी पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती

देश की न्यायपालिका ने साइबर अपराध के सबसे खतरनाक रूप 'डिजिटल अरेस्ट' के खिलाफ आखिरकार वह दृढ़ता दिखाई है जिसकी इस समय में सबसे ज्यादा आवश्यकता थी. यह सिर्फ ऑनलाइन ठगी नहीं; यह नागरिकों के मनोविज्ञान, उनकी सुरक्षा भावना और न्याय व्यवस्था पर भरोसे पर किया गया संगठित हमला है. बीते वर्षों में हजारों लोग इस जाल में फंसे हैं, उनमें से कई वरिष्ठ नागरिक, महिलाएं और तकनीकी रूप से कम दक्ष लोग रहे हैं. अब जब सुप्रीम कोर्ट ने स्वयं संज्ञान लेकर इस नेटवर्क को 'लोहे के हाथों' कुचलने की तैयारी दिखाई है, तो यह साइबर युद्ध में एक निर्णायक मोड़ बन सकता है.

यह स्थिति इसलिए भी भयावह है कि 'डिजिटल अरेस्ट' गिरोह अब तक 3,000 करोड़ रुपए से अधिक की ठगी कर चुका है. यह कोई साधारण साइबर धोखाधड़ी नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार फैले संगठित आपराधिक गिरोहों का संयुक्त ऑपरेशन है, जिसमें म्यांमार, लाओस, कंबोडिया, और थाईलैंड जैसे देशों से संचालित साइबर हब शामिल हैं. अपराधी पुलिस, एनआईए, या न्यायिक अधिकारियों के नाम पर वीडियो कॉल करते हैं, नकली वारंट और फर्जी न्यायिक आदेश दिखाते हैं और डराए धमकाए गए नागरिकों से मोटी रकम वसूल लेते हैं. यह धोखाधड़ी न केवल कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती है, बल्कि भारतीय न्यायपालिका की प्रतिष्ठा पर भी सीधा प्रहार है. इसी गंभीरता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉय माल्या बागची की बेंच ने स्पष्ट कहा है कि ऐसे अपराधों से 'आयरन हैंड्स', यानी लोहे की सख्ती से निपटना होगा.

इस मामले में दरअसल सबसे महत्वपूर्ण चिंता यह है कि ठग न्यायालयों के जाली आदेश और न्यायाधीशों के फर्जी हस्ताक्षर का प्रयोग कर रहे हैं. यह न केवल एक आपराधिक कृत्य है, बल्कि न्यायपालिका पर जनता के भरोसे को कमजोर करने की सोची-समझी साजिश भी है. इसी कारण सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठ अधिवक्ता एन.एस. नप्पिनई को अमीकस क्यूरी नियुक्त किया है, ताकि अदालत को तकनीकी और कानूनी दोनों स्तरों पर विशेषज्ञ सुझाव मिल सकें. अब सवाल यह है कि क्या केवल कानून-प्रवर्तन एजेंसियां ही इस लड़ाई को जीत सकती हैं? इसका उत्तर है, नहीं. साइबर जगत की प्रकृति ही ऐसी है कि इसमें नागरिकों की जागरुकता, डिजिटल शिक्षा और व्यक्तिगत सावधानी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी कि पुलिस कार्रवाई. 'डिजिटल अरेस्ट' का पूरा जाल नागरिकों की भय-मन:स्थिति पर टिका है. अपराधी जानते हैं कि जब किसी के सामने पुलिस, कोर्ट या गिरफ्तारी का भय खड़ा किया जाता है, तो वह तुरंत तर्क करना बंद कर देता है. यही मनोवैज्ञानिक दबाव इस ठगी की सबसे बड़ी ताकत है. इसलिए, नागरिकों को स्पष्ट रूप से समझना होगा कि कोई भी सरकारी एजेंसी वीडियो कॉल पर गिरफ्तारी का आदेश नहीं देती, न ही बैंक खाता या पैसा तुरंत ट्रांसफर करने को कहती है. हर संदिग्ध कॉल को तुरंत काटकर उसकी आधिकारिक वेबसाइट से सत्यापन करना ही सुरक्षा का पहला कदम है. यही जागरूकता इस अपराध की जड़ पर चोट कर सकती है.

सुप्रीम कोर्ट की सख्त पहल एक स्वागत योग्य कदम है. यदि इसे केंद्र सरकार, राज्यों, और साइबर विशेषज्ञों की संयुक्त कार्रवाई का रूप दिया जाए, तो यह न केवल 'डिजिटल अरेस्ट', बल्कि संपूर्ण साइबर अपराध पर निर्णायक नियंत्रण का मार्ग खोल सकती है. देश की सर्वोच्च अदालत ने अपना दायित्व निभाया है, अब बारी है कि सरकार, एजेंसियां और नागरिक मिलकर इस डिजिटल दानव को जड़ से उखाड़ फेंकें.

आज से एटीआर 72 की भी उड़ान शुरू

विंध्य की उड़ान को लगे पंख

राजेन्द्र शुक्ल

रीवा में एयरपोर्ट और उड़ानों के फलितार्थ होने में भी परिश्रम की पराकाष्ठा शामिल है. मैं आभारी हूँ तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज जी का, मुझे वह तारीख 13 जनवरी 2015 आज भी याद है जब उन्होंने सिविल एविएशन मिनिस्ट्री को रीवा में एयरपोर्ट की संभावनाओं के अध्ययन के लिए पत्र लिखा. इसके बाद वह सिलसिला चल निकला. प्रधानमंत्री जी ने किफायती दरों वाली उडान योजना लांच की तो उन्हीं की कृपा से रीवा %उडान% में शामिल हो गया. श्री सिंधिया जी ने जब से उड्डयन विभाग की कमान सँभाली रीवा एयरपोर्ट उनकी प्राथमिकता में सर्वोपरि रहा. एयरपोर्ट अथॉरिटी ने प्रदेश सरकार से कहा कि हमें रीवा के लिए 258 एकड़ भूमि और चाहिए. मुख्यमंत्री जी ने बिना वक्त गँवाए इसके लिए 209 करोड़ रुपये उपलब्ध करा दिए. जब जनसेवा का भाव और संकल्प प्रबल होता है तब दैवयोग से सभी कार्य ऐसे ही सधते जाते हैं जैसे कि रीवा एयरपोर्ट की कल्पना व उसके बाद यहां से वायुयानों की नियमित उड़ान और उसे अब यथार्थ के धरातल पर उतरते हुए देखना. मैं विन्ध्यजनों की ओर से, रीवा के नागरिकों की ओर विनयवत हूँ, आभारी और कृतज्ञ हूँ.

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी जब कहते थे कि वह दिन भी अब दूर नहीं जब हमारे देश के हवाई चप्पल वाले लोग भी हवाई जहाज में उड़ान भरेंगे तब विरोधी इसे महज जुमला कहकर बात हवा में उड़ा देते थे. ऐसे लोगों को आज रीवा आकर देखना चाहिए कि सपना किस तरह यथार्थ के धरातल पर उतरकर चरितार्थ होता है.

10 नवंबर 2025 का दिन कई पीढ़ियों की परिकल्पना और सपने को यथार्थ में परिवर्तित होने दिन है जब एटीआर 72 वायुयान दिल्ली के लिए उड़ान भरेगा. उड्डयन विभाग के हमारे केन्द्रीय मंत्री, माननीय मुख्यमंत्री, विंध्य के सांसद, विधायक गण, व सुनी नागरिक विन्ध्य के विकास के इस मंगलाचरण के साक्षी होंगे. हम यहीं रुकने वाले शीघ्र ही इंदौर से वायुमार्ग से जुड़ने वाले हैं. अगले चरण में मुंबई, पुने, बेंगलुरु जैसे शहरों से सभी इसी एयरपोर्ट से उड़ान भरेंगे.

हमसे मीडिया के लोग पूछते हैं कि इसके आगे और क्या? मेरा जवाब है एयरबस, सिर्फ 500 मीटर का रनवे और बढ़ा देंगे.

हमारे प्रधानमंत्री जी ने रीवा में हवाई सेवा के विस्तार के लिए जिस तरह से अपनी रुचि प्रदर्शित की है उसके लिए हम विन्ध्यवासी उनके प्रति चिर ऋणी रहेंगे. 9 सितंबर 2024 को डीजीसीए ने रीवा एयरपोर्ट से 72 सीटर विमान के लिए लायसेंस जारी किया था. 20 अक्टूबर 2024 को माननीय प्रधानमंत्री जी ने रीवा एयर पोर्ट का वर्चुअल उद्घाटन किया इसके साथ ही रीव- दिल्ली और रीवा -इंदौर के लिए हवाई उड़ान का पथ प्रशस्त हुआ. इस हेतु इंडिगो और एलायंस एयर को प्रस्ताव भेजा गया. आज का दिन इसी प्रयत्न का प्रतिफल है.

15 फरवरी 2023 को हमारे तत्कालीन नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह जी चौहान रीवा में हवाई अड्डे की आधारशिला रखी थी. इसके साथ ही रीवा भविष्य में उत्तरमध्य भारत का सबसे महत्वपूर्ण एयर ट्रैफिक डेस्टिनेशन बनकर उभरेगा की यात्रा पर चल पड़ा.

दो वर्ष पूर्व इंदौर में आयोजित ग्लोबल इनवेस्टर्स मीट में विश्वभर के उद्यमियों के बीच तत्कालीन केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी ने सगर्व यह घोषणा की थी कि हम मध्यप्रदेश का छठवे हवाईअड्डे को निर्मित और विकसित करने जा रहे हैं. उनकी इस घोषणा ने दुनियाभर के उन उद्योगपतियों के ध्यान को आकृष्ट किया जो यहाँ पावर व माइनिंग सेक्टर, वाइल्ड लाइफ टूरिज्म, फूड प्रोसेसिंग इन्डस्ट्रीज की संभावनाओं को देखते हैं. शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश करने वालों के लिए यह अवसरों का दरवाजा खोलने वाला है.

मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि रीवा का हवाईअड्डा चरणबद्ध तरीके से विकसित होने की प्रक्रिया में है. पाँच साल के भीतर ही रीवा का हवाईअड्डा बोइंग की लैंडिंग और अन्तर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए बनकर तैय्यार रहेगा. देश में श्री मोदी जी और प्रदेश में श्री मोहन यादव जी के कुशल और फलदायी नेतृत्व के अनुभव को देखते हुए मैं यह विश्वास पूर्वक कह सकता हूँ कि अगले पाँच वर्षों के भीतर यह सब पूर्णरूपेण यथार्थ के धरातल पर उतर जाएगा. विन्ध्य की आशाओं के केन्द्र रीवा के विकास का श्रेष्ठ व उन्नत दौर है जो स्वतंत्रता के अमृतकाल में प्रारंभ हो रहा है.

मैं जब कहता हूँ कि अब रीवा मध्यप्रदेश के ही नहीं देश के समुन्नत और श्रेष्ठ महानगरों की श्रेणी में कदमताल मिलाकर चल पड़ा है तो इसके पीछे ठोस आधार है. 1956 तक रीवा विन्ध्यप्रदेश की राजधानी रहा है और तब इसकी हैसियत भोपाल, लखनऊ, पटना और भुवनेश्वर जैसे शहरों के समकक्ष थी. कांग्रेस सरकार ने राजनीतिक द्वेषवश रीवा से एक प्रदेश की राजधानी का गौरव छीन लिया.

1956 से 2004 तक यह उपेक्षित और अभिशप्त पड़ा रहा. विन्ध्य में आज जो प्राकृतिक संसाधन हैं वो कल भी थे. आम नागरिकों में विकास की ललक और अपेक्षाएं कल भी वैसी ही थीं. केन्द्र में अटलजी और उसके बाद मोदीजी की नेतृत्व की व प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने आहत और उपेक्षित विंध्यवासियों की पीड़ा और भावनाओं को समझा.

(लेखक-मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री हैं)

विंध्य की डायरी

वर्षों पूर्व देखा गया सपना हुआ पूरा

डॉ. रवि तिवारी

कहते हैं कि खुली आंखो में देखा हुआ सपना साकार होता है, अगर लक्ष्य के लिये ईमानदारी और लगन के साथ मेहनत की जाय तो सफलता मिलने से कोई नही रोक सकता. ऐसा ही कुछ विंध्य में देखने को मिल रहा है. वर्षो पूर्व देखा गया सपना सोमवार को साकार हो रहा है. दिल्ली दूर नहीं एटीआर-72 सपनो की उड़ान भरेगा. यह विंध्य के लिये ऐतिहासिक क्षण के साथ विकास की गाथा के पन्नो में स्वर्णिम अक्षरो से दर्ज होगा. विंध्यवासियों के इंतजार की घड़ी आखिर समाप्त हो गई.

रीवा एयरपोर्ट के लोकार्पण के एक वर्ष बाद एक बड़ी सौगात के साक्षी विंध्यवासी बनेगे. जब यहा से एटीआर-72 दिल्ली के लिये उड़ान भरेगा. कांग्रेस सरकार में हवाई पट्टी बनी और भाजपा सरकार में एयरपोर्ट का निर्माण हुआ. महानगरो तक का सफर आसान हो रहा है और यह सब संभव हुआ भाजपा के कद्दावर नेता एवं प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल के मैराथन प्रयास से, खुली आंखो से उन्होने जो सपना देखा वह साकार हुआ. विंध्य की जनता जनार्दन से जो वादा किया उसे कर दिखाया. एयरपोर्ट केवल आधारभूत संरचना नही बल्कि विंध्य क्षेत्र के विकास को दिशा देने वाला माध्यम है. निश्चित रूप से यह क्षेत्र आर्थिक, पर्यटन और औद्योगिक क्रांति का नया अध्याय लिख रहा है. विंध्य के लोग अपने ऊपर से गूंजते हवाई जहाज को उंगली से इशारा कर जाते हुए देखते थे. लेकिन अब खुद हवाई जहाज में सवारी करेगे. यह विंध्य के लिये एक बड़ी सौगात है. जिसके दूरगामी विकासमुखी परिणाम आने वाले है.

खुद को स्थापित करने में लगे कांतदेव- भाजपा की नई प्रदेश कार्यकारिणी में विंध्य से इकलौते कांतदेव सिंह ही ऐसे नेता है जिन्हे एक बार फिर संगठन में प्रदेश उपाध्यक्ष के पद से नवाजा गया है. नई प्रदेश टीम में शामिल कर विंध्य में भाजपा ने कद बढ़ाया है और अब खुद को विंध्य में स्थापित करने में लग गये है. कई नेता प्रदेश कार्यकारिणी की दौड़ में थे लेकिन कांतदेव पर भरोसा जताया गया. विंध्य में जातीय राजनीति का बोलबाला है, भाजपा में ऐसा कोई कद्दावर राजपूत नेता नही है जो राजनीतिक हवा की दिशा को बदल सके. पूर्व राज्यसभा सांसद अजय प्रताप सिंह थे जो भाजपा से खुद को अलग कर लिये है. ऐसे में कांतदेव विंध्य में खुद को राजपूत नेता के रूप में अपनी छवि बनाने में जुटे है. यह बात और है कि 2014 से 24 तक लगातार लोकसभा टिकट की मांग करते रहे है और 2019 में पार्टी से इस्तीफा भी दे दिये थे. नाराज होकर कोप भवन में चले गये थे. फिर भी पार्टी ने दूसरी बार संगठन में उपाध्यक्ष का पद देकर एक तरह से उपकृत किया है. राजपूत नेता के रूप में विंध्य में खुद को स्थापित कर पाते है या नही, यह तो भविष्य के गर्त में है.

जिला कार्यकारिणी का इंतजार

कांग्रेस ने प्रदेश भर में जिला और शहर संगठन का मुखिया की घोषणा तो कर दी लेकिन जिला कार्यकारिणी अभी तक नही बन पाई. कई नेता कार्यकारिणी में जगह पाने के लिये गणेश परिक्रमा कर रहे है. माना जा रहा है कि पचमढ़ी में दस दिवसीय जिला कांग्रेस अध्यक्षो के प्रशिक्षण शिविर के बाद कार्यकारिणी पर मंथन हो सकता है. हालाकि जिलाध्यक्ष अपने चहेतों को पद देने एवं ब्लाक अध्यक्ष को लेकर होमवर्क कर चुके है. केवल सूची तैयार कर संगठन को भेजना है. जिले भर में सक्रिय कार्यकर्ताओं की तलाश में जिलाध्यक्ष लगे हुए है. इसके साथ ही राजनीतिक छत्रपों की रायसुमारी एवं गुटबाजी को ध्यान में रखते हुए कार्यकारिणी की सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा. हर गुट से नाम लेने की कवायत अंदर ही अंदर चल रही है तो वही कार्यकर्ता भी छत्रपो के पास अपनी इच्छा जाहिर कर रहे है.

त्योहारी मौसम होने से बंपर वोटिंग

पिछले 15 बार के विधानसभा चुनाव में जब-जब ज्यादा वोटिंग हुई है, तो मौजूदा सरकार पलटी है. अगर दूसरे चरण की वोटिंग में भी पहले चरण की वोटिंग का पैटर्न मौजूद रहता है, तब यह बंपर वोटिंग साफ साफ इशारा होगी कि अब बिहार के लोग बदलाव चाहते हैं और इस बंपर वोटिंग के चलते बिहार में नई सरकार शपथ लेगी.

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 121 सीटों के लिए 64.46 फीसदी वोटिंग हुई. यह 2020 में हुए विधानसभा चुनाव के पहले फेज की वोटिंग से लगभग 9 फीसदी ज्यादा है. यह जो बंपर वोटिंग हुई है, क्या वह नितीश सरकार के लिए खतरे की घंटी है? अतीत में जब भी बिहार विधानसभा चुनाव में 5 प्रतिशत या इससे ज्यादा वोटिंग हुई तब-तब सत्ता बदली है. विगत के इस पैटर्न को तब तक सत्य नहीं माना जा सकता, जब तक कि रिजल्ट सामने न आ जाए. बंपर वोटिंग में महिलाओं की भागीदारी ज्यादा रही है और विगत के चार-पांच चुनाव इस बात के सबूत रहे हैं कि नितीश कुमार के नेतृत्व को महिलाओं के वोट बाकी पार्टियों और नेतृत्व के मुकाबले कुछ ज्यादा मिलते हैं. नितीश कुमार महिला वोट पाने के मामले में चैंपियन हैं और 6 नवंबर को पहले फेज की वोटिंग में महिलाओं का प्रतिशत पुरुषों से ज्यादा रहा है. बिहार विधानसभा के चुनाव त्योहारी माहौल में हैं और हम सब जानते हैं कि प्रवास पर रहने वाले बिहारी लोगों में 50 फीसदी से ज्यादा छठ पर्व मनाने अपने गांव-घर जाते हैं...तो इसलिए पहले चरण के मतदान में अगर इन प्रवासियों की अपने घरों में मौजूदगी और त्योहारी मौका कारण रहा होगा तो निश्चित रूप से तेजस्वी यादव के मुकाबले नितीश का पलड़ा भारी लगता है. विधानसभा चुनाव में यह पहला ऐसा चुनाव है, जिसके पहले फेज में प्रवासी बिहारियों का मतदान प्रतिशत घरों में रहने वाले स्थायी लोगों से ज्यादा रहा है. यह बात तय है कि स्थानीय लोग दूसरी जगहों के मुकाबले अपनी जगह को ही ज्यादा तरजीह देते हैं. इस बार के मत में जो बढ़ोत्तरी हुई है, जाहिर है वह बिहार के बाहर रह रहे युवा मतदाता हैं, जिन्होंने छठ में घर आने के कारण मतदान में हिस्सा लिया है. बिहार में लंबे समय तक जंगल राज रहा है. इसलिए युवा मतदाता कम से कम विपक्षी गठबंधन के बजाय मोदी-नीतीश वाले गठबंधन को वोट देने के पक्ष में ज्यादा रहता है. **-लोकमित्र गौतम**

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

बॉलीवुड स्टाइल से जीत ली बाजी ममदानी की धांसू डायलॉगबाजी

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज अपने यहां सुदेश भोसले और जॉनी लिवर जैसे कलाकार किसी भी पहुंचे हुए अभिनेता की आवाज निकालकर मिमिक्री करते हैं. कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव भी अमिताभ बचन की नकल उतारते थे. अमेरिका में न्यूयार्क के नवनिर्वाचित महापौर जोहरान ममदानी ने भी अपने प्रचार अभियान में अमिताभ और शाहरुख खान के मशहूर डायलॉग इस्तेमाल किए थे और वह भी अपने तरीके से.

हमने कहा, नकल करने के लिए भी अकल की जरूरत पड़ती है. मौरा नायर जैसी फिल्मी मां के बेटे, पब्लिक को डायलॉग सुनाने बैठे! पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, हिंदी फिल्मों में दिलीपकुमार अशोककुमार, देवआनंद, राजकपूर, राजकुमार, शत्रुघ्न सिन्हा, नाना पाटेकर, सुनील दत्त, संजीवकुमार, ओमप्रकाश, जॉनीवाकर अपनी खास शैली में संवाद बोला करते थे. मिमिक्री आर्टिस्ट बड़ी सफाई से उनके जैसी आवाज बनाकर बोलते हैं. फिलहाल यह बताइए कि ममदानी ने हिंदी फिल्मों के कौन से संवादों को तोड़मरोड़ कर इस्तेमाल किया?

हमने कहा, आपको फिल्म कर्ज का ऋषिकपूर का डायलाग याद होगा जिसमें वह पूछते हैं- क्या तुमने किसी को प्यार किया, क्या तुमने किसी को दिल दिया. ममदानी ने जनता से पूछा- क्या तुमने किसी को वोट किया, कभी किसी को रैंक दिया? फिल्म गली ब्वाय में रणबीर सिंह का डायलाग है- अपना टाइम आएगा. इसका अपने तरीके से इस्तेमाल करते हुए ममदानी ने कहा- बिलिनेयर्स के पास सबकुछ है, अब आपका टाइम आएगा. उन्होंने अमिताभ बचन के दीवार के डायलाग की शैली में कहा- आज मेरे पास बिल्डिंग हैं, प्रापर्टी है, तुम्हारे पास क्या है? फिर उन्होंने शाहरुख खान जैसा दोनों हाथ अगल-बगल फैलाकर पोज देते हुए कहा- मेरे पास आप हैं! अपने अभियान के अंत में उन्होंने धूम मचा ले गाने का साउंड ट्रैक बजवाया.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, ममदानी ने फिल्मी स्टाइल में माहौल बनाकर भारतीय, पाकिस्तानी और प्रवासी आडियेन्स को प्रभावित किया लेकिन मेयर बन जाने पर रील लाइफ नहीं चलेगी. रीयल लाइफ का सामना करना पड़ेगा. उन्होंने जो लुभावने वादे किए थे, उसे कैसे पूरा करेंगे? कहीं ट्रंप ने न्यूयार्क को फंड देना रोक दिया तो क्या होगा? हमने कहा, अकेले न्यूयार्क का बजट महाराष्ट्र से भी यादा है. ममदानी से वहां के लोग कहेंगे- जो वादा किया है, निभाना पड़ेगा !

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12075 - डॉ. सागर खादीवाला

बाएं से दाएं

1. मेघमाला, बादलों की पंक्ति (सं.) 4. धनिष्ठा से रेवती तक के पांच नक्षत्र, पाच अंगों वाला (सं.) 6. (राजनीति में) उग्र विचार या मत रखने वाला 8. तुरंत, फौरन 10. बल बढ़ाने वाला 12. चुपचाप 14. वैशाली के पास का एक प्राचीन ग्राम जहां महात्मा बुद्ध कुछ दिन ठहरे थे, पाया 15. मुखिया, सेनापति 16. व्यवहार में किसी बात या व्यक्ति का आदर करना, सम्मान या मर्यादा का ध्यान (उर्दू) 18. यादगार, वह वस्तु जो किसी को याद रखने के लिए बनाई जाए 20. चींटी जैसा एक कीड़ा जो लकड़ी-कागज आदि को नष्ट कर देता है 21. सूर्य संबंधी, सूर्य से उत्पन्न

ऊपर से नीचे

1. अंजन, दीपक के धुएं की कालिख जिसे आंखों में आंजते हैं 2. पांव के चमड़े का फटना 3. एक पेड़ जिसके सभी अंग कड़वे होते हैं 4. पथिक, राही 5. मैसूर राज्य का वर्तमान नाम 7. वह बड़ा मंडप जो किसी सभा के अधिवेशन के लिए बनाया या लगाया जाता है 8. गाय-भैंस आदि चराने वाला 9. चंचल, स्थिर न रहने वाला 10. नवजात शिशु या किसी को ईसाई बनाने के समय का एक संस्कार 11. शैव संप्रदाय का तांत्रिक साधु 12. अंग स्पर्श के कारण पैदा हुई सुरसुराहट, उत्कंठा, उमंग 13. खामोश, मौन 17. विष (उर्दू) 19. आक्रमण-हानि-आपत्ति-नाश आदि से बचाव

Solution 12074

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में अत्याधिक परिश्रम केबाद आंशिक सफलता मिलेगी, मित्र के कारण विवाद होगा, मान प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें, मन में खिन्नता रहेगी, वर्ष के मध्य में घरेलू कार्यो में रूचि रहेगी, बैचारिक वाद विवाद होगा, सत्संग में मन शांत रहेगा, वर्ष के अन्त में राजनैतिक मित्र का सहयोग रहेगा, व्यवसाय में वृद्धि होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शासन से लाभ होगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को सत्ता का सुख रहेगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को सहयोग मिलेगा, सिंह राशि के व्यक्तियों को शिक्षा में रूचि रहेगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को अधिकारी के कोप का सामना करना पड़ेगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियोंको नवीन योजनों में पूँजी निवेश होगा, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों का सहयोग और सुख शांति रहेगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर सुशील, अपने कार्यो के प्रति सजग रहने वाला होगा, दयालु, स्वाभाव के कारण सभी को लोकप्रिय होगा, शिक्षा उत्तम रहेगी, नौकरी में अच्छी सफलता प्राप्त करेगा, मनोरंजन का शौकीन होगा, माता पिता का भक्त होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

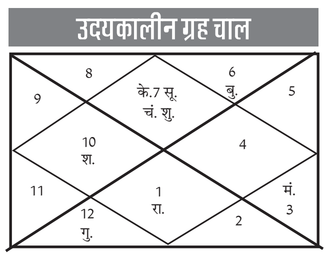

पंचांग

रा.मि. 19 संवत् 2082 मार्गशीर्ष कृष्ण पंचमीं चन्द्रवासरे प्रात: 8/2 तदुपरि षष्ठी तिथौ रातअंत 6/21, पुनर्वसु नक्षत्रे रात 1/25, साध्य योगे रात 7/0, तैतिल करणे सू.उ. 6/33, सू.अ. 5/27, चन्द्रचार मिथुन रात 7/41 से कर्क, शु.रा. 3,5,6,9,10,1 अ.रा. 4,7,8,11,12,2 शुभांक-5,7,1.

मेष- अटकी योजनायें फिर से शुरू हो सकती हैं, दौड़धूप से स्वास्थ्य प्रभावित होगा, नौकरी एवं राजनैतिक कार्यो में सफलता मिलेगी, आवश्यक कार्य पूर्ण होंगे.

वृषभ- विवाह की चर्चाएं आगे बढ़ेंगी, मित्रों का सहयोग मिलेगा, नवीन योजनाओं पर विस्तार होगा, प्रगतिवर्धक समाचार मिलेगा.

मिथुन- नया घर खरीदने या घर की साज सज्जा कराने का मन बनेगा, मेहमानों के कारण व्यस्तता रहेगी, आय से अधिक धन व्यय होगा, कामकाज में शिथिलता रहेगी.

कर्क- निर्धारित कार्यक्रमों को बदलना पड़ सकता है, निजी कार्यो को टालने से समस्या बनेगी, व्यर्थ की चिन्ता एवं मानसिक तनाव रहेगा, दिनचर्या नियमित रहेगी.

सिंह- लिये गये फैसले बदलने की संभावना है, पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति होगी,आर्थिक समस्याओं का सरलता से समाधान होगा.

कन्या- धीमी गति के बावजूद कार्यक्षेत्र में अच्छी सफलता मिलेगी, सुख, संतोष मिलेगा, व्यर्थ के विवादों से बचने का प्रयास करें, समस्या हल होगीं.

तुला- कारोबारी विस्तार की योजना सफल होगी, भूमि भवन मकान आदि के कार्यो का लाभ होगा, वाहन के प्रयोग में सतर्कता बांछनीय, विवादों से दूर रहें.

वृश्चिक- जिद में लिये गये फैसले जी का जंजाल बन सकते हैं, प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी, शिक्षा के कार्यो में संतोष रहेगा, उन्नति का योग है.

धनु- लोग आप पर दबाव बनाने की कोशिश करेंगे, विवादास्पद मामले सुलझेंगे, शत्रु वर्ग पराजित होगा, प्रियजनों के कारण भावनात्मक पीड़ा होगी.

मकर- पारिवारिक आयोजन प्रसन्नतादायक रहेंगे, जोखिम के कार्यो से दूर रहें, पत्नी का सुख सहयोग रहेगा, मित्र मिलन होगा.

कुम्भ- समय पर तौर तरीकों में बदलाव कर लें, लाभ मिलेगा, धीमी गति से चल रही योजना में तेजी आयेगी, आलस्य का अनुभव होगा, धार्मिक कार्यो में मन लगेगा.

मीन- अधिकारियों से मेलजोल बढ़ेगा, संतान पक्ष का सुख मिलेगा, मनोनुकूल कार्य होगा, लाभ होगा. लेखन तथा अन्य कार्यो में रूचि रहेगी.

व्यापार भविष्य

मार्गशीर्ष कृष्ण चतुर्थी को आर्द्रा नक्षत्र के प्रभाव से अरंडी, सरसों, तिल, तेल, सोयाबीन, रूई, कपास, नारियल, कन्या, बादाम, छुहारा, में मंदी की चाल चलेगी. भाग्यांक 3062 है.

SUDOKU 7207

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7206

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1